>

Title: Need to take steps for recycling and controlling the disposal of e-waste in the country in view of its hazardous effects on environment.

श्री कमल किशोर कमांडो (बहराइच): महोदया, हमारे देश में इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों की बढ़ती जरूरतों के कारण देश में अनेक प्रकार के इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग हो रहा है। खराब हो जाने पर इन उपकरणों का कचरा देश में जमा होता है। सबसे ज्यादा टेलीविज़न तथा मोबाइल फोन के अलग-अलग हिस्सों का कचरा होता है। अनुमानतः भारत में प्रतिवर्ष 3.5 लाख टन इलैक्ट्रॉनिक कचरा पैदा होता है तथा लगभग 50 हजार टन कचरा गैर-कानूनी ढंग से विदेशों से आयात किया जाता है। इस तरह से प्रतिवर्ष चार लाख टन इलैक्ट्रॉनिक कचरा इकट्ठा हो रहा है। इस कचरे से मानव जाति तथा वातावरण को गम्भीर खतरा है। इन कचरों को या तो यूं ही खुले मैदानों में फेंक दिया जाता है या नदियों में, कुछ हानिकारक कचरों को जमीन में भी दबा दिया जाता है। तकनीकी व विकास के नाम पर इन इलैक्ट्रॉनिक कचरों से वातावरण में जहर घुल रहा है। देश के तमाम बड़े राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडू, आंध्र-प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात, पंजाब तथा मध्य प्रदेश बड़ी मात्रा में ई-कचरा उत्पन्न कर रहे हैं। तमाम खराबियों के कारण इलैक्ट्रॉनिक उपकरण कबाड़ हो जाते हैं, इनमें अनेक प्रकार की खतरनाक धातुं वातारण को प्रदूषित करती हैं। इनसे निकलने वाली किरणें मानव के लिए अत्यन्त घातक होती हैं। यदि बड़े राज्यों में राज्य स्तर पर ई-कचरा रीसाइक्लिंग करने का इन्तजाम हो जाये तो इसमें काफी कमी आ सकती है।

ई-कचरे को रीसाइक्लिंग करके काम लायक पुर्जों में तब्दील करके दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। इसके लिए कचरे को डिस्पोज़ करने वाले यूनिटों की स्थापना करना आवश्यक होगा। इस कचरे से मिट्टी, हवा तथा जल का प्राकृतिक स्रोत भी प्रदूषित होता है। ई-कचरे में आधे से ज्यादा मात्रा में आयरन, स्टील, प्लास्टिक तथा नान-फोरस तत्व होते हैं, जो कि जहरीली गैसें व हानिकारक किरणें पैदा करते हैं। जरूरी है कि ईको-फ्रेंडली रीसाइक्लिंग प्रोसैस फैसिलिटी जैनरेट की जाये, ताकि कचरे का ज्यादा से ज्यादा हिस्सा रीसाइक्लिंग किया जाये। इलैक्ट्रॉनिक कचरे से मनुष्य के स्वास्थ्य पर होने वाले खतरे को देखते हुए इन सब कार्यों को मशीनों से किया जाये। यदि समय रहते ई-कचरे को नियंत्रित नहीं किया जायेगा तो आने वाले समय में इससे काफी नुकसान होगा। धन्यवाद।

MADAM SPEAKER: Shri P.T. Thomas,

Shri Jose K. Mani and

Dr. Sanjeev Ganesh Naik are also associating.